बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
एक परिवार एक बैंक

निगमित संप्रेषण व निवेशक संबंध
प्रधान कार्यालय: लोकमंगल, शिवाजीनगर, पुणे-5
टेलीफोन -020 :25614495, 25614366, 25514501 से 12 विस्तारित क्र. 487

प्रेस विज्ञप्ति

बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा समाज के 'आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग' के लिए वित्तीय समावेशन आउटरीच कैम्प का आयोजन

मुंबई, 13 फरवरी, 2022: बैंक ऑफ महाराष्ट्र देश का सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक है। हमारा देश "आजादी का अमृत महोत्सव" मना रहा है और इस दौरान वंचितों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र विभिन्न वित्तीय समावेशन आउटरीच कैम्पों के आयोजन के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) तक पहुंच गया है। मुंबई दक्षिण, मुंबई उत्तर तथा ठाणे अंचलों के विभिन्न क्लस्टरों में और धारावी, कुर्ला, लालबाग, चैंबूर, वर्ली कोलीवाड़ा आदि विभिन्न स्थानों पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए वित्तीय समावेशन आउटरीच कैम्प आयोजित किए गए।

श्री ए. बी. विजयकुमार, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र; श्री मनोज करे, अंचल प्रबंधक, मुंबई दक्षिण अंचल; श्री रामचंद्र रागिरी, अंचल प्रबंधक, मुंबई उत्तर अंचल और सुश्री नर्मदा सावंत, अंचल प्रबंधक, ठाणे अंचल आउटरीच कैम्प स्थलों पर उपस्थित थे।
वित्तीय समावेशन आउटरीच कैम्प स्थलों पर सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न कार्यक्रमों यथा - पीएमएमवाई, पीएमएवाई, पीएमस्वनिधि, पीएमजेडीवाई, पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई, एपीवाई, स्टैंड अप इंडिया, विभिन्न एसएचजी संबंधित योजनाएं, डिजिटल प्रोडक्ट आदि का संवर्धन किया गया और वित्तीय समावेशन आउटरीच कैम्प स्थलों पर, मौके पर ही गरीब और जरूरतमंद लाभार्थियों को मंजूरी प्रदान की गई। वर्तमान में जारी 'जनसुरक्षा सैचुरेशन अभियान' के संदर्भ में पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई और एपीवाई योजनाओं के अंतर्गत कवरेज हेतु कवर न किए गए पात्र वयस्क व्यक्तियों को लक्ष्य करने में इन वित्तीय समावेशन आउटरीच कैम्पों का बेहद महत्व है। इस अवसर पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा आवास ऋण 6.40% तथा कार ऋण 6.80% की न्यूनतम ब्याज दर की भी जानकारी उपस्थित जनसामान्य को दी गई।

श्री ए. बी. विजयकुमार, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने कहा कि "मुंबई दक्षिण, मुंबई उत्तर और ठाणे अंचल को मैं हार्दिक बधाइयां देता हूं, क्योंकि उन्होंने इस तरह का एक अदभुत और व्यापक वित्तीय समावेशन कार्यक्रम आयोजित किया है, जोकि महामारी के बाद के माहौल में अधिक प्रासंगिक हो जाता है।"

श्री विजयकुमार ने आगे कहा कि "क्रेडिट विस्तार यह विकास और समृद्धि का एक महत्वपूर्ण घटक है। देश के वित्तीय समावेशन के अंतर को समाप्त करने के अपार अवसर हैं और बैंक ऑफ महाराष्ट्र उस अंतर को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

ग्राहकों, जन प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, एनजीओ, स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों और बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित हितधारकों ने स्वेच्छा से राष्ट्रनिर्माण के इस महत्वपूर्ण कार्य में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।